

नित उठ मनपति कर जस बरनत अति हित  
सौ। तन मन धन सन जतर रहत तिहिं भजन  
करत भल अति चित सौ। किमि अरसत मन  
भजत न किमि तिहिं भज भज भज भज शिव  
धरि चित ही। हर हर हर हर हर हर हर हर  
हर हर कह नितही।

**खंड** पुं. (तत्.) 1. भाग, टुकड़ा, हिस्सा, ग्रंथ का भाग या अंश 2. मकान की मंजिल 3. देश 4. समूह 5. समीकरण की एक क्रिया 6. खांड, चीनी 7. काला नमक 8. रत्न का एक दोष 9. प्रदेश वि. (तत्.) 1. खंडित 2. छोटा, लघु, विकलांग 4. दोषयुक्त।

**खंडकंद** पुं. (तत्.) शंकरकंद, खंडकर्ण।

**खंडक** पुं. (तत्.) 1. खंड, भाग, टुकड़ा 2. शर्करा, चीनी, मिसरी 3. वह प्राणी जिसके नाखून न हो वि. (तत्.) 1. खंडन करने वाला, मत या विचार को काटने वाला 2. विभाग करने वाला, टुकड़ों में विभक्त करने वाला 3. दूर करने या हटाने वाला।

**खंडकथा** स्त्री. (तत्.) कथा का एक भेद, लघु कथा, छोटी कथा, उपन्यास का भेद।

**खंडकर्ण** पुं. (तत्.) शंकरकंद, एक प्रकार का कंठदार पौधा।

**खंडकाव्य** पुं. (तत्.) 1. छोटा काव्य 2. वह काव्य जिसमें महाकाव्य के पूरे लक्षण न हो जैसे-कालिदास द्वारा रचित 'मेघदूत' एक खंडकाव्य है।

**खंडचाल** स्त्री. (देश.) चूना, सुर्खी आदि से खंड या टुकड़े अलग कर देने की जाली।

**खंडज** पुं. (तत्.) एक प्रकार की शर्करा, गुड़, भेली।

**खंडताल** पुं. (तत्.) संगीत में एक ताल नामक ताल, जिसमें केवल एक द्रुत होता है।

**खंडधारा** स्त्री. (तत्.) कतरनी, कैंची।

**खंडन** पुं. (तत्.) 1. काटना, तोड़ना 2. नाश करना 3. हानि करना 4. निराश करना 5. बाधक होना 6. धोखा देना 7. विद्रोह, विरोध करना 8.

बर्खास्त करना 9. किसी बात को गलत बताना 10. दूसरे के मत का युक्तिपूर्वक निराकरण करना, विलोम मंडन।

**खंडनकार** पुं. (तत्.) 'खण्डन खण्ड खाद्य' नामक संस्कृत दर्शन ग्रंथ के प्रणेता श्री हर्ष।

**खंडन मंडन** पुं. (तत्.) वाद विवाद, खंडन और मंडन, पक्ष-विपक्ष में तर्क देना, बहस, विवाद।

**खंडन रत** वि. (तत्.) ध्वंस कार्य में निपुण।

**खंडना** स.क्रि. (तद्.) 1. खंडन करना, तोड़ना 2. निराकरण करना 3. टुकड़े-टुकड़े करना 4. किसी बात को अनुपयुक्त ठहराना 5. उल्लंघन करना, न मानना।

**खंडनी** स्त्री. (तद्.) माल गुजारी की किश्त, करा।

**खंडनीय** वि. (तत्.) 1. खंडन करने योग्य, तोड़ने फोड़ने लायक, जिसका खंडन न हो सके 2. निराकरण के योग्य 3. जिसे अनुचित ठहराया जा सके।

**खंडपति** पुं. (तत्.) राजा।

**खंडपरशु** पुं. (तत्.) 1. महादेव, शिव 2. विष्णु 3. परशुराम 4. राहु 5. वह हाथी जिसके दाँत टूटे हों।

**खंडपर्शु** पुं. (तत्.) दे. खंडपरशु।

**खंडपाल** पुं. (तत्.) मिठाई बनाने और बेचने वाला, हलवाई।

**खंडपीठ** पुं. (तत्.) उच्च न्यायालय की शाखा, बेंच।

**खंडप्रलय** पुं. (तद्.) 1. वह प्रलय जो चतुर्युगी या ब्रह्मा का एक दिन बीत जाने पर होती है 2. संघर्ष, झगड़ा, लड़ाई।

**खंड प्रस्तार** पुं. (तत्.) संगीत में एक प्रकार का ताल।

**खंडमोदक** पुं. (तत्.) गुड़, एक प्रकार की शक्कर।

**खंडर** पुं. (तद्.) मिठाई, खांड से बनी वस्तु।